



ग्रामीण कृषि मौसम सेवा
भारत मौसम विज्ञान विभाग
चंद्रशेखर आज़ाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय
कानपुर, उत्तर प्रदेश



मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

दिनांक : 27-05-2025

हाथरस(उत्तर प्रदेश) के मौसम का पूर्वानुमान - जारी करनेका दिन :2025-05-27 (अगले 5 दिनों के 8:30 IST तक वैध)

मौसम कारक	2025-05-28	2025-05-29	2025-05-30	2025-05-31	2025-06-01
वर्षा (मिमी)	0.0	0.0	0.0	7.0	0.0
अधिकतम तापमान(से.)	41.0	39.0	41.0	40.0	39.0
न्यूनतम तापमान(से.)	30.0	29.0	29.0	29.0	27.0
अधिकतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	57	63	57	57	74
न्यूनतम सापेक्षिक आर्द्रता (%)	40	45	38	39	42
हवा की गति (किमी प्रति घंटा)	14	13	6	6	4
पवन दिशा (डिग्री)	119	123	148	187	100
क्लाउड कवर (ओक्टा)	2	4	5	5	4
चेतावनी	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	कोई चेतावनी नहीं	आंधी और बिजली, तूफान आदि; तेज़ सतही हवाएँ	कोई चेतावनी नहीं

पूर्वानुमान सारांश:

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आगामी पांच दिनों में हल्के से मध्यम बादल छाये रहने के कारण 31 मई, 2025 को स्थानीय स्तर पर गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम वर्षा, आंधी-तूफान, तेज हवाएं चलने की संभावना है। अधिकतम तापमान 39.0-41.0°C के मध्य है, जो सामान्य से 1-2°C अधिक रहने की संभावना है तथा न्यूनतम तापमान 27.0-30.0°C के मध्य है, जो सामान्य से 1-2°C अधिक रहने की संभावना है। सापेक्ष आर्द्रता की अधिकतम एवं न्यूनतम सीमा 57-74 एवं 38-45% के मध्य है। हवा की दिशा दक्षिण-पूर्व है तथा हवा की गति 4.0-14.0 किमी प्रति घंटा के मध्य है, तथा झोंके सामान्य से 3-4 किमी प्रति घंटा अधिक रहने की संभावना है।

मौसम चेतावनियाँ (अगले दिन के 08:30 IST तक मान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार 30 मई से 01 जून, 2025 के मध्य स्थानीय स्तर पर हल्की से मध्यम, गरज के साथ तूफान व बिजली गिरने, तेज सतही हवाएं चलने की चेतावनी है।

मौसम चेतावनियों के कृषि पर संभावित प्रभाव और संबंधित एग्रोमेट सलाह:

हल्की से मध्यम बारिश के साथ आंधी/बिजली और तेज सतही हवाओं को देखते हुए, किसानों को सलाह दी जाती है कि वे जानवरों को खुली जगह/पेड़ों के नीचे न बांधें और अपनी यात्रा या गतिविधि को भी स्थगित कर दें। अगर आप आंधी के दौरान एक समूह में हैं, तो एक-दूसरे से अलग रहें।

सामान्य सलाहकार:

किसानों को सलाह दी जाती है कि वे खड़ी मक्का की फसल में हवा शांत होने पर ही सिंचाई करें। कीटनाशक, फफूंदनाशक तथा खरपतवारनाशकों का छिड़काव हवा शांत होने/आसमान साफ होने पर ही करें तथा हवा की विपरीत दिशा में खड़े होकर कीटनाशक, कीटनाशक तथा खरपतवारनाशकों का छिड़काव न करें। संभव हो तो छिड़काव के बाद, खाने से पहले तथा कपड़े धोने के बाद हाथों को साबुन या हैंडवाश से अच्छी तरह धोना चाहिए।

लघु संदेश सलाहकार:

हल्की बारिश के साथ आंधी/बिजली और तेज सतही हवाओं को देखते हुए, किसानों को सलाह दी जाती है कि वे जानवरों को खुली जगह/पेड़ों के नीचे न बांधें और अपनी यात्रा या गतिविधि को भी स्थगित कर दें।

फसल विशिष्ट सलाह:

फसल	फसल विशिष्ट सलाह
मक्का	मक्के की फसल भुट्टा बनने/दाना भरने की अवस्था पर चल रही है जो नमी के कमी के प्रति संवेदनशील हैं। अतः आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनाये रखें। मक्के की फसल में तना बेधक / प्ररोह मक्खी कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु इमामेक्टिन बेंजोएट 5 % एस जी 200 ग्राम /हेक्टेयर अथवा डाइमथोएट 30% ईसी 1.0 लीटर/हेक्टेयर की दर से 600-700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
काला चना	उर्द /मूँगकी फसल फली बनने की अवस्था पर चल रही है जो नमी के कमी के प्रति संवेदनशील हैं। अतः आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई कर उचित नमी बनाये रखें। उर्द की फसल में फली बेधक कीट का प्रकोप दिखाई देने की संभावना है अतः इसके रोकथाम हेतु इमामेक्टिन बेंजोएट 5% एस जी 220 ग्राम /हेक्टेयर या डाइमथोएट 30% ई.सी. 1.0 लीटर/हेक्टेयर की दर से 600 -700 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव आसमान साफ होने पर करें।
मक्का	खरीफ मक्का की बुवाई पलेवा करने के पश्चात ही खेत की तैयारी करें, साथ ही उन्नतशील संस्तुति संकुल प्रजातियां- कंचन, गौरव,स्वेता, आजाद उत्तम एवं संकर प्रजातियां- प्रकाश,वाई -1402, बायो-9681, प्रो -316 ,डी -9144, दिकाल्ब- 7074, पीएचबी- 8144, दक्कन 115, एम.एम.एच.-133 आदि में से एक किसी एक प्रजाति की बुवाई के लिए खाद एवं बीज की व्यवस्था कर बुवाई करें। मक्के की संकुल प्रजाति की बुवाई के लिए 20 -25 किलोग्राम बीज/हेक्टेयर तथा शंकर प्रजाति 18 -20 किलोग्राम बीज / हेक्टेयर की दर से बुवाई करें।
चावल	धान के खेतों की तैयारी के लिए गहरी जुताई कर मेड़बंदी करें। धान की नर्सरी डालने के 15 दिन पूर्व खेत की हल्की सिंचाई वर्षा न होने की दशा में करें ताकि खेत में निकलने वाले खरपतवार खेत तैयार करते समय नष्ट हो जायें। धान की नर्सरी डालने के लिए खेतों की तैयारी करे, साथ ही उन्नतशील किस्मों नरेंद्र-359 , नरेंद्र धान-2026 , नरेंद्र धान-2064 , नरेंद्र धान-2065 , नरेंद्र धान-3112, सरजू-52, सीता आदि तथा संकर किस्म- प्रो.एग्रो -6444 (2001)एराइज , प्रो.एग्रो -6201 (2001)एराइज, पी.एच.बी.-71, पायनियर -27 पी 31,27 पी 37, 28 पी 67 , आर आर एक्स -113, कावेरी -468, के.आर.एच -2 , यू.एस.-312 , आर.एच. -312, आर.एच. -1531 आदि एवं सुगंधित धान की किस्म- टाइप-3, पूसा बासमती-1, मालवीय सुगंध-105, मालवीय सुगंध-3-4 , नरेंद्र सुगंध एवं नरेंद्र ऊसर धान-1,नरेंद्र ऊसर धान-2, नरेंद्र ऊसर धान-2008 , सी.एल.आर.-10 आदि में से किसी एक किस्म के बीजों एवं खाद की व्यवस्था करे।

बागवानी विशिष्ट सलाह:

बागवानी	बागवानी विशिष्ट सलाह
बैंगन	कद्दू, लौकी, तरोई,करैला, खीरा, ककड़ी,तरबूज, खरबूजा आदि तैयार फसलों की तुड़ाई कर बाजार भेजे। सब्जियों की फसलों में फल छेदक /पत्ती छेदक कीट की रोकथाम हेतु नीम आयल 1.5-2.0 मिली०/लीटर पानी में घोल बनाकर 3 -4 छिड़काव 8 -10 दिन के अन्तराल पर करें। सब्जियों की खड़ी फसलों में निराई - गुड़ाई करें तथा सिंचाई का कार्य 8-10 दिन के अन्तराल पर शाम के समय करें।
आम	नये बागों की रोपाई के लिए गड्डो की खुदाई करें। आम, अमरूद, नींबू बेर, अंगूर, पपीता व लीची आदि के बागों में सिंचाई का कार्य करें। आम के फलों को गिरने से बचाने के लिए बागों की सिंचाई करें अथवा एल्फा नेफथलीन एसिटिक एसिड के 4.5 एस.एल. के 20 मिली० प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। आम के फलों में कोयलिया विकार या आंतरिक सड़न रोग की रोकथाम हेतु बोरेक्स 0.8 प्रतिशत 0.8 ग्राम/लीटर पानी में घोल बनाकर 10 दिन के अन्तराल पर 2 छिड़काव करें।

पशुपालन विशिष्ट सलाह:

पशुपालन	पशुपालन विशिष्ट सलाह
भैंस	वर्तमान मौसम को देखते हुए किसानों को सलाह दी जाती है कि वे पशुओं को रात के दौरान खुले में बांधें। पशुओं को दिन के समय छायेदार स्थान पर बांधें या पेड़ के नीचे पशुओं को न बांधें क्योंकि इस सप्ताह हवाओं की गति सामान्य से तेज चलने के कारण पेड़ / पेड़ों की टहनियों के गिरने की सम्भावना अधिक रहती है। पशुओं को खुरपका-मुँहपका रोग की रोकथाम हेतु एफ.एम.डी. वैक्सीन तथा लगड़िया बुखार से बचाव हेतु वी.क्यू. वैक्सीन से टीकाकरण कराये। पशुओं को हरे और सूखे चारे के साथ पर्याप्त मात्रा में अनाज दें। पशुओं को साफ एवं ताजा पानी दिन में ३-४ बार अवश्य पिलायें। गर्भित पशुओं को ढलान वाले स्थान पर न बांधें। पशुओं को पेट में कीड़ों की रोकथाम के लिए कृमिनाशक दवा देने का उचित समय है।

मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह:

मुर्गी पालन	मुर्गी पालन विशिष्ट सलाह
मुर्गी	किसानों को सलाह दी जाती है कि वे मुर्गियों को भोजन में पूरक आहार, विटामिन और ऊर्जा खाद्य सामग्री मिलाएं और साथ ही साथ कैल्शियम सामग्री भी मुर्गियों को दें। मुर्गियों के पेट में कीड़ों की रोकथाम (डिवमिग) के लिए दवा दें। मुर्गियों को गर्मी से बचाव हेतु गर्मी हाउस में पर्दे, पंखे और वेंटिलेशन की व्यवस्था करें। मुर्गियों को गर्मी से बचाने के लिए मुर्गी घर में लगे हुए जुट के पर्दों पर पानी के छींटे मारे जिससे ठंडक बनी रहे।

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह:

अन्य (मृदा / भूमि तैयारी)	अन्य (मृदा / भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह
कृषि क्षेत्र	गेहूँ व अन्य फसलों से खाली खेतों की गहरी जुताई डिस्क प्लाउ से करें ताकि जमीन के अन्दर छिपे हुए हानिकारक कीटों के अण्डे व लार्वा धूप में नष्ट हो जायें।

मौसम चेतावनियों के संभावित प्रभाव (सामान्य):

भारतीय मौसम विभाग से प्राप्त मौसम पूर्वानुमान के अनुसार स्थानीय स्तर पर हल्की से मध्यम, गरज के साथ तूफान व बिजली गिरने, तेज सतही हवाएं चलने की चेतावनी है।
--

प्रभाव आधारित सलाह (सामान्य):

हल्की बारिश के साथ आंधी/बिजली और तेज सतही हवाओं को देखते हुए, किसानों को सलाह दी जाती है कि वे जानवरों को खुली जगह/पेड़ों के नीचे न बांधें और अपनी यात्रा या गतिविधि को भी स्थगित कर दें। अगर आप आंधी के दौरान एक समूह में हैं, तो एक-दूसरे से अलग रहें।
--

Farmers are advised to download Unified  "Mausam" and "Meghdoot" android application on mobile for Weather forecast and weather based Agromet Advisories and "Damini" android application for forecast of Thunderstorm and lightning.

Mausam MobileApp link: <https://play.google.com/store/apps/details/>

Meghdoot MobileApp link: https://play.google.com/store/apps/details

Damini MobileApp link : https://play.google.com/store/apps/details